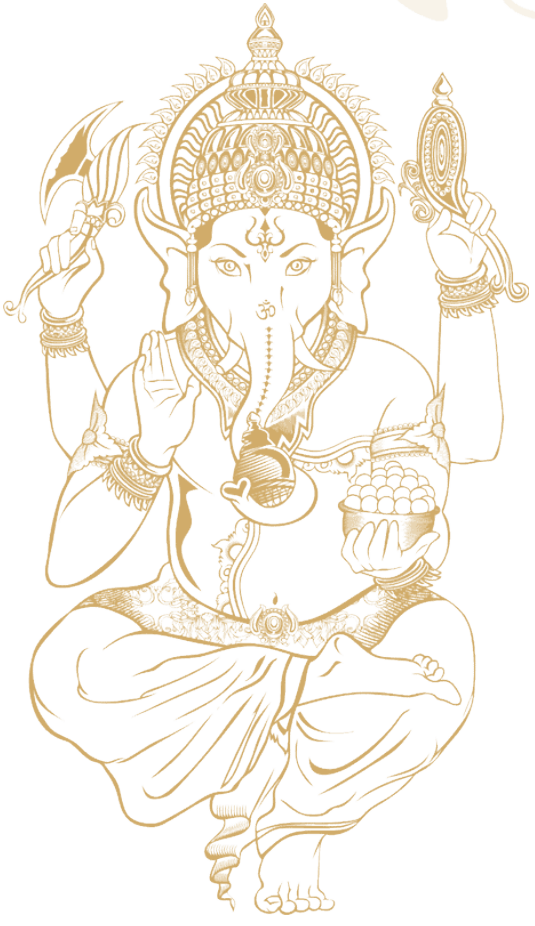

Aswraye

18 Sep 1990

12:12 AM

Modinagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/09/1990**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:12:00 घंटे**
इष्ट	45:17:54 घटी
स्थान	**Modinagar**
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:52:48 घंटे
वेलान्तर	00:05:20 घंटे
साम्पातिक काल	23:38:32 घंटे
सूर्योदय	06:04:50 घंटे
सूर्यास्त	18:22:20 घंटे
दिनमान	12:17:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:52:59 कन्या
लग्न के अंश	13:58:41 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	साध्य
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:58:41	320:32:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			कन्या	00:52:59	00:58:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			सिंह	15:49:48	13:07:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			वृष	13:56:02	00:22:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध			सिंह	15:51:54	00:02:38	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			कर्क	12:19:00	00:10:51	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	19:11:16	01:14:29	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	24:59:51	00:00:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मक	12:42:22	00:05:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	12:42:22	00:05:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			धनु	11:52:23	00:00:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:04:35	00:00:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो			तुला	22:01:58	00:01:42	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मीन	00:25:36	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:53

लग्न-चलित

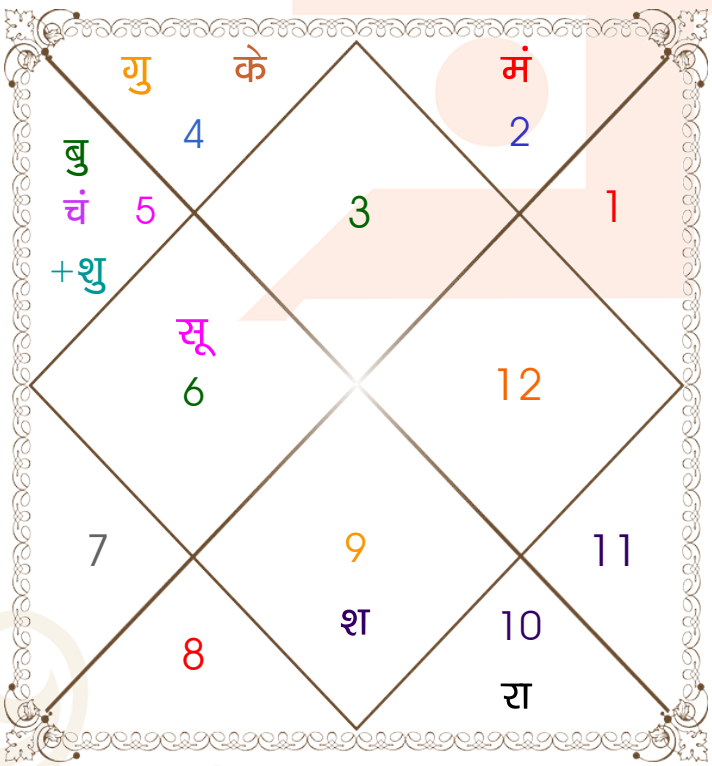

चन्द्र कुंडली

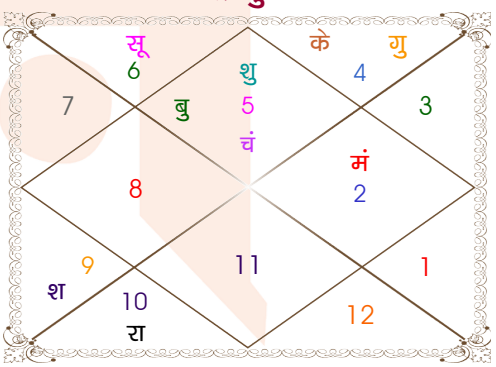

नवमांश कुंडली

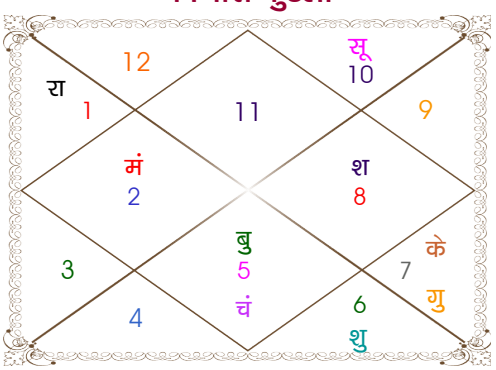

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 3 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/09/1990		20/12/2006		19/12/2012		20/12/2022		19/12/2029	
20/12/2006		19/12/2012		20/12/2022		19/12/2029		20/12/2047	
	18/09/1990	सूर्य	08/04/2007	चंद्र	20/10/2013	मंगल	18/05/2023	राहु	01/09/2032
सूर्य	20/04/1991	चंद्र	08/10/2007	मंगल	21/05/2014	राहु	04/06/2024	गुरु	25/01/2035
चंद्र	19/12/1992	मंगल	13/02/2008	राहु	19/11/2015	गुरु	11/05/2025	शनि	01/12/2037
मंगल	18/02/1994	राहु	06/01/2009	गुरु	20/03/2017	शनि	20/06/2026	बुध	20/06/2040
राहु	18/02/1997	गुरु	26/10/2009	शनि	20/10/2018	बुध	17/06/2027	केतु	08/07/2041
गुरु	20/10/1999	शनि	08/10/2010	बुध	20/03/2020	केतु	13/11/2027	शुक्र	08/07/2044
शनि	20/12/2002	बुध	14/08/2011	केतु	19/10/2020	शुक्र	12/01/2029	सूर्य	02/06/2045
बुध	20/10/2005	केतु	20/12/2011	शुक्र	20/06/2022	सूर्य	20/05/2029	चंद्र	01/12/2046
केतु	20/12/2006	शुक्र	19/12/2012	सूर्य	20/12/2022	चंद्र	19/12/2029	मंगल	20/12/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/12/2047		20/12/2063		20/12/2082		20/12/2099		21/12/2106	
20/12/2063		20/12/2082		20/12/2099		21/12/2106		00/00/0000	
गुरु	06/02/2050	शनि	23/12/2066	बुध	17/05/2085	केतु	18/05/2100	शुक्र	21/04/2110
शनि	19/08/2052	बुध	01/09/2069	केतु	14/05/2086	शुक्र	18/07/2101	सूर्य	19/09/2110
बुध	25/11/2054	केतु	11/10/2070	शुक्र	14/03/2089	सूर्य	23/11/2101		00/00/0000
केतु	01/11/2055	शुक्र	10/12/2073	सूर्य	19/01/2090	चंद्र	24/06/2102		00/00/0000
शुक्र	02/07/2058	सूर्य	22/11/2074	चंद्र	20/06/2091	मंगल	20/11/2102		00/00/0000
सूर्य	20/04/2059	चंद्र	23/06/2076	मंगल	16/06/2092	राहु	09/12/2103		00/00/0000
चंद्र	19/08/2060	मंगल	01/08/2077	राहु	04/01/2095	गुरु	14/11/2104		00/00/0000
मंगल	26/07/2061	राहु	07/06/2080	गुरु	11/04/2097	शनि	23/12/2105		00/00/0000
राहु	20/12/2063	गुरु	20/12/2082	शनि	20/12/2099	बुध	21/12/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 3 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।